(कक्षा-6)

पिछले पृष्ठ पर सूर्य और पेड़ के चित्रों के आस-पास उनके अन्य नाम दिए गए हैं। ये शब्द उनके समान अर्थ दे रहे हैं। ऐसे शब्दों को 'समानार्थी' या 'पर्यायवाची' कहा जाता है।

इसे हम इस रूप में भी कह सकते हैं कि

परिभाषा **लगभग समान अर्थ देने वाले शब्दों को 'समानार्थी' या 'पर्यायवाची' शब्द कहा जाता है।**

पूरी तरह समान न कहकर लगभग समान कहने के पीछे कारण– कई बार समानार्थी शब्द हम ज्यों का त्यों प्रयोग नहीं कर सकते। इससे अर्थ का अनर्थ हो सकता है; जैसे– पानी और पानी शब्द का प्रयोग हम सामान्य अर्थ में करते हैं, किंतु जल के साथ पवित्रता जुड़ जाती है; गुनगुने पानी से नहा लो। गंगाजल पवित्र होता है। यहाँ गंगाजल के साथ 'गंगापानी' का प्रयोग नहीं होगा तथा गुनगुने पानी की जगह 'गुनगुने जल' से नहा लो भी एकदम सहज अर्थ नहीं। इसलिए समानार्थी शब्दों का प्रयोग करते समय थोड़ी सावधानी बरतनी चाहिए।

यह सीट **स्त्रियों** के लिए आरक्षित है। (उचित प्रयोग नहीं) **स्त्री–** सामान्य प्रयोग वाला शब्द

यह सीट **महिलाओं** के लिए आरक्षित है। (उचित प्रयोग) **महिला–** सम्मान के साथ प्रयोग वाला

कुछ प्रमुख पर्यायवाची शब्द–

अतिथि	–	आगंतुक, अभ्यागत, मेहमान	अनुपम	–	अनूठा, अनोखा, अपूर्व
अच्छा	–	उचित, उपयुक्त, श्रेष्ठ	असुर	–	दैत्य, दानव, दनुज
अहंकार	–	अभिमान, गर्व, घमंड	आग	–	अग्नि, अनल, पावक
आम	–	आम्र, रसाल, अमृतफल	आभूषण	–	अलंकार, गहना, भूषण
आँख	–	नयन, नेत्र, लोचन	आकाश	–	अंबर, गगन, नभ
आनंद	–	आमोद, उल्लास, हर्ष	इच्छा	–	अभिलाषा, आकांक्षा, चाह
ईश्वर	–	ईश, भगवान, विधाता	उन्नति	–	उत्कर्ष, उत्थान, विकास
उद्यान	–	उपवन, बगीचा, वाटिका	उपाय	–	युक्ति, यत्न, प्रयत्न
कमल	–	जलज, नीरज, पंकज	कपड़ा	–	चीर, पट, वसन
किसान	–	कृषक, हलधर, हलवाहा	किनारा	–	कगार, कूल, तट
गंगा	–	जाह्नवी, देवनदी, भागीरथी	किरण	–	अंशु, रश्मि, मरीचि
घर	–	आलय, गृह, सदन	चंद्रमा	–	राकेश, रजनीश, शशि
जल	–	अंबु, नीर, वारि	जंगल	–	अरण्य, कानन, वन
झरना	–	उत्स, प्रपात, निर्झर	तालाब	–	सर, सरोवर, पोखर
दिन	–	दिवस, दिवा, वार	दुख	–	पीड़ा, व्यथा, वेदना
धरती	–	धरा, भू, भूमि	नया	–	नूतन, नव, नवीन

नित्य	–	सतत, सदा, सर्वदा	पहाड़	–	अचल, नग, पर्वत
पुत्र	–	तनय, बेटा, सुत	बादल	–	घन, जलद, मेघ
मछली	–	मीन, मत्स्य, जलचरी	भौंरा	–	भ्रमर, मधुप, मधुकर
रात	–	निशा, रजनी, रात्रि	मित्र	–	सखा, सहचर, साथी
संसार	–	जग, लोक, दुनिया	वायु	–	पवन, समीर, हवा
पुष्प	–	फूल, सुमन, प्रसून	हिमालय	–	गिरिराज, हिमगिरि, हिमाचल

है न सरल!